अर्धवार्षिक परीक्षा, 2017

हिन्दी (केन्द्रिक)

अवधि - 3 घंटे | कक्षा - ग्यारहवीं | पूर्णांक - 100

विद्यार्थी का नाम ..... वर्ग ..... दिनांक - 16.9.2017 (शनिवार)

निर्देश: -

- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- प्रश्नोत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न संख्या एवं उपभाग अंकित करना न भूलें ।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड - क

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सिने-जगत के अनेक गायक-गायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि ग़ैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेजी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हक़ीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिंदी है। लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिंदी फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं।

'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिंदी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई । हमारे आद्यग्रंथों - रामायण और महाभारत को जब हिंदी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया । 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिंदी की रचनात्मक और उर्वरता के प्रमाण हैं । 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिंदी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई है। सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, असम, महाराष्ट्र, सिक्किम जैसे ग़ैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिंदी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई । ज्ञान-गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम एंड जेरी' इनकी हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान के भी कार्यक्रम हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं ।

क) उपर्युक्त अवतरण के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **(1)**

ख) ग़ैर-हिंदी भाषी कलाकारों के हिंदी सिनेमा में आने के दो कारणों का उल्लेख कीजिए । **(2)**

ग) छोटा परदा से क्या तात्पर्य है ? इसका आम जन-जीवन की भाषा पर क्या प्रभाव पड़ा ? **(2)**

घ) आशय स्पष्ट कीजिए - 'सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया ।' **(1)**

ड.) कुछ बहुप्रचलित और लोकप्रिय धारावाहिकों के उल्लेख से लेखक क्या सिद्ध करना चाहता है? **(1)**

च) 'सदी का महानायक' से लेखक का संकेत किस फ़िल्मी सितारे की ओर है ? **(1)**

छ) फ़िल्म और टी.वी. ने हिंदी के प्रचार-प्रसार में क्या भूमिका निभाई है ? संक्षेप में लिखिए । **(1)**

ज) 'सन्नाटा' और 'ज्ञान' शब्दों के विलोम लिखिए । **(1)**

प्र.2 निम्नलिखित पद्य-खण्ड को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के समुचित उत्तर दीजिए - **(1×5=5)**

पेड़ों के झुनझुने,
बजने लगे;
लुढ़कती आ रही है,
सूरज की लाल गेंद।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।
तूने जो छोड़े थे,
गैस-गुब्बारे :
तारे अब दिखाई नहीं देते ।
(जाने कितने ऊपर चले गए)
तूने जो नचाई थी फिरकी :
चाँद, देख अब गिरा, अब गिरा ।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।
तूने थपकियाँ देकर
जिन गुड्डे-गुड़ियों को सुला दिया था
टीले, मुँहरंगे आँख मलते हुए बैठे हैं,
गुड्डे की जरतारी टोपी
उलटी नीचे पड़ी है : छोटी तलैया;
वह देखो उड़ी जा रही है चूनर

तेरी गुड़िया की-झिलमिल नदी ।
उठ मेरी बेटी, सुबह हो गई।
तेरे साथ चलकर
सोई थी जो तेरी सहेली हवा,
जाने किस झरने में नहाकर आ गई है,
गीले हाथों से छू रही है तेरी तस्वीरों की किताब
देख तो, कितना रंग फैल गया ।
उठ, घंटियों की आवाज़ धीमी होती जा रही है;
दूसरी गली में मुड़ने लग गया है बूढ़ा आसमान,
अभी भी दिखाई दे रहे हैं उसकी लाठी में बाँधे
रंग-बिरंगे गुब्बारे, कागज़-पन्नी की हवाई चर्खियाँ,
लाल हरी ऐनकें, दफ्ती के रंगीन भोंपू,
उठ मेरी बेटी, आवाज़ दे, सुबह हो गई।
उठ देख -
बंदर बिस्कुट का मेरा डिब्बा लिए
छत की मुंडेर पर बैठा है '
धूप आ गई ।

क) बेटी को कवयित्री ने क्या कहकर प्रातःकाल में जगाया था ?

ख) चाँद कैसा दिखाई दे रहा था ?

ग) छोटी तलैया कवयित्री को कैसी प्रतीत होती है ?

घ) बेटी की सहेली कौन है और वह कहाँ से आई है ?

ड.) बूढ़ा कौन है और उसके पास क्या है ?

खण्ड - ख

प्र.3 निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर निबंध लिखिए - **(10)**

क) योग भगाए रोग
ख) सच्चा मित्र - अनमोल रत्न
ग) अहा ! ग्राम्य जीवन
घ) छात्र वर्ग और अनुशासन

प्र.4 अपने विद्यालय में सम्पन्न हुए '**वन-महोत्सव**' पर **रिपोर्ट** तैयार कीजिए । **(5)**

अथवा

पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र में **बढ़ती अपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण** करने का अनुरोध कीजिए ।

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **(1×5=5)**

क) आल इंडिया रेडियो की स्थापना कब की गई ?

ख) किन्हीं दो सोशल साईट्स के नाम लिखिए ।

ग) संचार के क्षेत्र में शोर किसे कहते हैं ?

घ) समूह संचार किसे कहा जा सकता है ?

ड.) सिनेमा का आविष्कारक किसे माना जाता है ?

प्र.6 'सिमटते रीति-रिवाज' पर आलेख तैयार कीजिए । **(5)**

अथवा

किसी आँखों देखी दुर्घटना पर समाचार का प्रारूप बनाइए ।

खण्ड - ग

प्र.7 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(2×4=8)**

पीपर पाथर पूजन लागे, तीरथ गर्व भुलाना ।।
टोपी पहिरे माला पहिरे, छाप तिलक अनुमाना ।
साखी सब्दहि गावत भूले, आतम खबरि न जाना ।।
हिंदू कहै मोहि राम पियारा, तुर्क कहै रहिमाना ।
आपस में दोउ लरि लरि मूए, मर्म न काहू जाना ।।
घर घर मंतर देत फिरत हैं, महिमा के अभिमाना ।
गुरू के सहित सिख्य सब बूड़े, अंतकाल पछिताना ।
कहै कबीर सुनो हो संतो, ई सब भरम भुलाना ।
केतिक कहौं कहा नहिं मानै, सहजै सहज समाना ।।

क) कबीर ने धार्मिक आडम्बर करने वालों पर क्या व्यंग्य किया है ?

ख) अज्ञानी गुरूओं की शरण लेने पर क्या दुर्गति होती है ?

ग) आडम्बर रचाने वाले लोगों को ईश्वर के दर्शन क्यों नहीं होते हैं ?

घ) आशय स्पष्ट कीजिए - 'टोपी पहिरे माला पहिरे, छाप तिलक अनुमाना ।'

अथवा

खैर, पैर की जूती, जोरू
न सही एक, दूजी आती,
पर जवान लड़के की सुध कर
साँप लोटते, फटती छाती ।
पिछले सुख की स्मृति आँखों में
क्षणभर एक चमक है लाती,
तुरत शून्य में गड़ वह चितवन
तीखी नोक सदृश बन जाती ।

क) कविता में किसान का स्त्री के बारे में क्या विचार है ?

ख) किसान को सबसे अधिक पीड़ा किस बात की है ?

ग) प्रस्तुत अवतरण में कवि ने किस गंभीर विषय को उजागर किया है ?

घ) मुहावरों का अर्थ लिखो - साँप लोटना, छाती फटना ।

प्र.8 निम्नलिखित काव्यांश का भाव एवं शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए - **(3+3=6)**

देखना कुछ बक न देना,
उन्हें कोई शक न देना ।
हे सजीले हरे सावन,
हे कि मेरे पुण्य पावन ।।

अथवा

दूध की मथनिया बड़े प्रेम से बिलोई ।
दधि मथि घृत काढ़ि लियो डारि दई छोई ।।

प्र.9 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - **(3×3=9)**

क) 'उजरी' कौन थी ? वह अब किसान के पास क्यों नहीं रही ?

ख) 'घर की याद' कविता के आधार पर पिताजी की विशेषताएँ लिखिए ।

ग) कबीर की दृष्टि में संसार बौराया हुआ क्यों है ?

घ) राम नरेश त्रिपाठी ने 'पथिक' कविता में अपनी पत्नी से क्या आग्रह किया है ?

प्र.10 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

अलोपीदीन ने कलमदान से कलम निकाली और उसे वंशीधर के हाथ में देकर बोले - न मुझे विद्वत्ता की चाह है, न अनुभव की, न मर्मज्ञता की, न कार्य कुशलता की । इन गुणों के महत्त्व का परिचय खूब पा चुका हूँ । अब सौभाग्य और सुअवसर ने मुझे वह मोती दे दिया है जिसके सामने योग्यता और विद्वत्ता की चमक फीकी पड़ जाती है। यह कलम लीजिए, अधिक सोच-विचार न कीजिए, दस्तखत कर दीजिए । परमात्मा से यही प्रार्थना है कि वह आपको सदैव वही नदी किनारे वाला बेमुरौवत, उद्दंड, कठोर परंतु धर्मनिष्ठ दारोगा बनाए रखे ।

क) अलोपीदीन कौन है ? वे किस उद्देश्य से वंशीधर के घर पहुँचे हैं ? **(1)**

ख) अलोपीदीन वंशीधर में किन-किन गुणों को देख रहे हैं ? **(1)**

ग) वंशीधर के गुणों का परिचय अलोपीदीन को कैसे मिला था ? **(1)**

घ) पाठ और लेखक का नाम लिखिए । **(2)**

प्र.11 निम्नलिखित में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **(3×3=9)**

क) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वन्द्वी क्यों नहीं मानता था ?

ख) 'विदाई संभाषण' पाठ के अनुसार लार्ड कर्ज़न को इस्तीफा क्यों देना पड़ा था ?

ग) 'अपू के ढाई साल' पाठ के आधार पर फिल्म निर्माण में क्या कठिनाइयाँ आ सकती हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

घ) मियां नसीरूद्दीन की वर्तमान चिन्ता का कारण समझाइए ।

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) चित्रपट संगीत और शास्त्रीय संगीत में क्या अन्तर है ? **(3)**

ख) कुमार गंधर्व लता से किस तरह प्रभावित हुए ? **(2)**

ग) फिल्मी संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए हैं - इस बारे में आपकी क्या राय है ? **(3)**

प्र.13 'चित्रपट संगीत में लोकगीतों का विस्तृत संसार है।' - स्पष्ट कीजिए । **(5)**

अथवा

लता मंगेशकर ने करूण-रस के साथ न्याय नहीं किया है - इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए ।

मौखिक अभिव्यक्ति । **(10)**